हकेवि ने शोध चक्र के लिए किया इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इंफ्लिबिनेट, गांधीनगर के साथ शोध चक्र की सुविधाओं को उपलब्ध करवाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में इंफ्लिबिनेट के द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा के संबंध में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके सर्वोत्तम उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। इस संबंध में शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व उनके पथप्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी। कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड चार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व

- शोध की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण होगा सहज

इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाले रिसर्च संबंधी जानकारी अब ऑनलाइन माध्यम से संग्रहित किए जाने लगी हैं। शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा और वे एक मंच पर शोध कार्य का आंकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे। प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल ने अपने संबोधन में कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा और समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया

- विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हकेवि में विशेष कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्र सरकार में मंत्री श्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें, यह वो बीमारी है, जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है बल्कि उसका परिवार भी तबाह हो जाता है। उन्होंने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सभी युवाओं को नशे से दूर रहने और उसके खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तम्बाकू के सेवन से होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोग नशे से प्रभावित होते हैं। उन्होंने इस मौके पर युवाओं से नशे से दूर रहने और इससे बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दिन विद्यार्थियों को तम्बाकू से होने वाली हानि से अवगत कराने के उद्देश्य से यह आयोजन महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से आयोजक निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विज्ञान भारती, हरियाणा प्रांत, नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का व विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के साझा प्रयासों से प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक समरसता हरियाणा के प्रांत संयोजक श्री मंजुल पालीवाल, डॉ. नितिन कौशिक ने प्रतिभागियों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया। विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने संबोधन में नशे की लत और उससे व्यक्ति, परिवार व समाज को होने वाली हानि की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए मिलकर संयुक्त प्रयास करने होंगे। इस प्रयास में जन जागरूकता एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम के आरंभ में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शुरूआत और उसके निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने और इसके प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. फूल सिंह, डॉ. राजेश कुमार दुबे, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. निशान सिंह व नशा मुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल का राष्ट्रीय प्रभारी अक्षत कांत, शिवम कुमार व हितेश शर्मा सहित भारी संख्या में विश्वविद्यालय विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (छाया: पंजाब केसरी)

ह.कें.वि. ने शोध चक्र के लिए किया इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता

शोध की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण होगा सहज

महेंद्रगढ़, 31 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ इंफ्लिबिनेट, गांधीनगर के साथ शोध चक्र की सुविधाओं को उपलब्ध करवाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में इंफ्लिबिनेट द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा के संबंध में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके सर्वोत्तम उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व उनके पथप्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया।

इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पोस्टर किया जारी

इससे पूर्व पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने शोध चक्र के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस सुविधा के अंतर्गत तकनीकी रूप से उपलब्ध अत्याधुनिक शोध कार्य में सहयोग प्रदान करना है।

इस अवसर पर रेलेवेन्स ऑफ रंगनाथन्स एप्रोचेज टू द मॉडर्न डे इंफार्मेशन वर्ल्ड विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पोस्टर भी जारी किया गया।

यह प्रतियोगिता सी.एस.आई.आर.-एन.आई.एस.सी.पी.आर., नई दिल्ली, डी.आर.टी.एस., बेंगलुरु सरदा रंगनाथन एंडोमैंट फॉर लाइब्रेरी साइंस, इंटरनैशनल सोसायटी फॉर नॉलेज आर्गेनाइजेशन, आई.एफ.एल.ए. सैक्शन ऑन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग और डी.आई.एल.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ केलेनिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने दिया। प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल का परिचय प्रो. सारिका शर्मा व कुलपति महोदय का परिचय प्रो. दिनेश कुमार ने किया। मंच का संचालन डॉ. दिनेश चहल ने किया।

शोध चक्र का लाभ विद्यार्थियों व शोध निर्देशकों को मिलेगा

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड-4 में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाले रिसर्च संबंधी जानकारी अब ऑनलाइन माध्यम से संग्रहित की जाने लगी है।

शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा और वे एक मंच पर शोध कार्य का आकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे। प्रो. जे.पी. सिंह जुरैल ने अपने संबोधन में कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा और समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी, जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी।

सामग्री

शोध चक्र की सुविधा विद्यार्थियों व प्रदर्शकों के लिए उपयोगी

शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी

इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता: शोध की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इंफ्लिबिनेट गांधीनगर के साथ शोधचक्र की सुविधाओं को उपलब्ध करवाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में इंफ्लिबिनेट के द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा के संबंध में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके सवार्त्तम उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। इस संबंध में शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व उनके पथ प्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी। कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया।प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने अपने संबोधन में कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा और समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी।

महेंद्रगढ़। इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड चार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाले रिसर्च संबंधी जानकारी अब ऑनलाइन माध्यम से संवाहित किए जाने लगी हैं। शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा और वे एक मंच पर शोध कार्य का आंकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे।

तम्बाकू के खिलाफ अभियान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ह.कें.वि. में विशेष कार्यक्रम आयोजित

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 31 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्र सरकार में मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें।

यह वह बीमारी है जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है, बल्कि उसका परिवार भी तबाह हो जाता है। उन्होंने सभी युवाओं को नशे से दूर रहने और इसके खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तम्बाकू के सेवन से होने वाले नुक्सान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोग नशे से प्रभावित होते हैं।

नशों से बचाव के लिए मिलकर करने होंगे संयुक्त प्रयास

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विज्ञान भारती, हरियाणा प्रांत, नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल व विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के सांझा प्रयासों से प्रोफैसर मूल चंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक समरसता हरियाणा के प्रांत संयोजक मंजुल पालीवाल, डॉ. नितिन कौशिक ने प्रतिभागियों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया।

विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने संबोधन में नशे की लत और उससे व्यक्ति, परिवार व समाज को होने वाली हानि की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए मिलकर संयुक्त प्रयास करने होंगे।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. फूल सिंह, डॉ. राजेश कुमार दूबे, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. निशान सिंह व नशा मुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल के राष्ट्रीय प्रभारी अक्षत कांत, शिवम कुमार व हितेश शर्मा सहित भारी संख्या में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

CUH signed MoU with INFLIBNET for SHODH Chakra

MAHENDERGARH(TIT NEWS): Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has become the first University in the country to provide SHODH Chakra facilities with INFLIBNET Centre, Gandhinagar. Recently both the institutions signed MoU regarding this new facility launched by INFLIBNET Centre. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that technological development and its best use can prove to be helpful in achieving remarkable results in the field of research and innovation. The facility of SHODH Chakra will surely prove useful for the students and their mentors. For this agreement, the Vice Chancellor expressed his gratitude to the Prof. J.P. Singh Joorel, Director, INFLIBNET Centre. In the program organized by the Department of Library and Information Science of the University, the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar and on behalf of the INFLIBNET Centre Prof. J.P. Singh Joorel signed the MoU. The Vice Chancellor said that now the time is changing and research related information residing in files is now being collected through online medium. The research cycle is one such effort, which will benefit the students and their research supervisor and they will be able to ensure assessment, revision of research work on a single platform. Prof. J.P. Singh Joorel in his address said that this platform will work in a completely interactive mode and the entire research work will be safe through online mode. He said that under the facility of this research cycle, research related material would be made available which would enhance the quality of work. Prof. Dinesh Kumar Gupta, HoD, Department of Library and Information Science informed about the SHODH Chakra. At the beginning of the program, welcome address was given by Dean Research Prof. Neelam Sangwan. The introduction of Prof. J.P. Singh Joorel was given by Prof. Sarika Sharma and the Vice Chancellor was introduced by Prof. Dinesh Kumar. Dr. Dinesh Chahal conducted the stage.

तंबाकू के खिलाफ युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्र सरकार में मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें। यह वो बीमारी है, जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है।

हकेंवि में पहली राष्ट्रीय युवा संसद का हुआ आयोजन

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को पहली राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। इस आयोजन में निर्णायक मंडल के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ से पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. सुधा यादव, संसदीय कार्य मंत्रालय में एनवाईपी कॉर्डिनेटर डॉ. शालिनी शर्मा व राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल की प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 01 June 2022
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/68377053

हरियाणा केंद्रीय वि ने शोध चक्र के लिए किया इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता

शोध की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण होगा सहज : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने इंफ्लिबिनेट, गांधीनगर के साथ शोध चक्र की सुविधाओं को उपलब्ध करवाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में इंफ्लिबिनेट के द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा के संबंध में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके सर्वोत्तम उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। इस संबंध में शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व उनके पथप्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी। कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया।

इंफ्लिबिनेट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड चार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाले रिसर्च संबंधी जानकारी अब ऑनलाइन माध्यम से संग्रहित किए जाने लगी हैं। शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा और वे एक मंच पर शोध कार्य का आकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे। प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने अपने संबोधन में कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा और समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी।

इससे पूर्व पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने शोध चक्र के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस सुविधा के अंतर्गत तकनीकी रूप से उपलब्ध अत्याधुनिक शोध कार्य में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इससे गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर रेलेवेन्स ऑफ रंगनाथन्स एप्रोचेज टू द मॉडर्न डे इंफोरमेशन वर्ल्ड विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पोस्टर भी जारी किया गया। यह प्रतियोगिता सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली, डीआरटीएस, बैंगलुरू सरदा रंगनाथन एंडोमेंट फॉर लाइब्रेरी साइंस, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज आर्गनाईजेशन, आइएफएलए सेक्शन आन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग और डीआइएलएस यूनिवर्सिटी आफ केलेनिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने दिया। प्रो. जेपी सिंह जुरैल का परिचय प्रो. सारिका शर्मा व कुलपति महोदय का परिचय प्रो. दिनेश कुमार ने किया। मंच का संचालन डा. दिनेश चहल ने किया।

तंबाकू के खिलाफ अभियान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : टंकेश्वर

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्र सरकार में मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें, यह वो बीमारी है जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है, बल्कि उसका परिवार भी तबाह हो जाता है। उन्होंने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सभी युवाओं को नशे से दूर रहने और उसके खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोग नशे से प्रभावित होते हैं। उन्होंने इस मौके पर युवाओं से नशे से दूर रहने और इससे बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से आयोजक निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विज्ञान भारती, हरियाणा प्रांत, नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का व विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के साझा प्रयासों से प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक समरसता हरियाणा के प्रांत संयोजक मंजुल पालीवाल, डा. नितिन कौशिक ने प्रतिभागियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम के आरंभ में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरुआत और उसके निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने और इसके प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. फूल सिंह, डा. राजेश कुमार दुबे, डा. मनीष कुमार, डा. निशान सिंह व नशा मुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल का राष्ट्रीय प्रभारी अक्षत कांत, शिवम कुमार व हितेश शर्मा सहित भारी संख्या में विश्वविद्यालय विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

तंबाकू निषेध दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़: हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में मंगलवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा नौवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा धूम्रपान एवं तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों तथा समाज में बढ़ते धूम्रपान एवं तंबाकू सेवन से कैंसर ,अस्थमा (दमा) जैसी जानलेवा एवं लाइलाज बीमारियों से बचाव एवं पृथ्वी के वातावरण को दूषित होने से बचाने के लिए छात्रों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से धूम्रपान के दुष्परिणाम तथा शारीरिक नुकसान को दर्शाया गया । कक्षा नौवीं से दिव्या, प्रशांत, भव्या बंसल और पुल्कित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, तमन्या, सागर, मुस्कान और यसिता शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व कशिका, भास्कर, गजल मैहता और वंशिक रोहिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । कक्षा दसवीं से प्रथम स्थान पर आलोक, मुस्कान व टिसा रहे। द्वितीय स्थान पर खुशी, सिद्धि, जीया व रीया व तृतीय स्थान पर शुभम,कीर्ति और नेहा रहे । संस्था प्रबंधक निर्देशक मनीष अग्रवाल ने जानकारी दी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर पोस्टर बनाकर जागरूक करते हैप्पी स्कूल के विद्यार्थी ● सौ. स्कूल

पहली राष्ट्रीय युवा संसद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुई जोरदार चर्चा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को पहली राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। इस आयोजन में निर्णायक मंडल के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ से पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. सुधा यादव, संसदीय कार्य मंत्रालय में एनवाईपी कोआर्डिनेटर डा. शालिनी शर्मा व राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल की प्राचार्या डा. पूर्ण प्रभा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। यकीनन इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली को नजदीक से जानने समझने को अवसर मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका और उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विद्यार्थी देश के विकास में सक्रिय योगदान दें। डा. सुधा यादव ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा चलाई गई युवा संसद का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि विद्यार्थियों ने बेहद गंभीरता के साथ संसदीय व्यवस्था और उसकी कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विद्यार्थियों ने संसदीय व्यवस्था में संवाद की परम्परा का परिचय इस आयोजन में दिया है, वह यकीनन शुभ संकेत है। निर्णायक मंडल में सम्मिलित शालिनी व डा. पूर्ण प्रभा ने भी युवा संसद में प्रश्नकाल व राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुई चर्चा का उल्लेख किया। शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार यह आयोजन किया गया है और जिस तरह से विद्यार्थियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की है।

राष्ट्रीय युवा संसद में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी निर्णायक मंडल के सदस्यों व शिक्षकों के साथ • हकेंवि

सुविधा

फाइलों में रहने वाली रिसर्च संबंधी जानकारियां अब ऑनलाइन संग्रहित होने लगी : कुलपति

अब हकेंविवि में भी शोध चक्र की सुविधा होगी उपलब्ध

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(विवि) इंफ्लिबिनेट, गांधीनगर के साथ शोध चक्र की सुविधाओं को उपलब्ध कराने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। हाल ही में दोनों संस्थानों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तकनीकी विकास और इसके उपयोग शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकता है। इस संबंध में शोध चक्र की सुविधा यकीनन विद्यार्थियों व पथप्रदर्शकों के लिए उपयोगी साबित होगी। यह एक ऐसा ऑनलाइन प्लेटफार्म में है जहां शोधार्थी अपना डाटा सुरक्षित रख सकते हैं। कुलपति ने इस समझौते के लिए इंफ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जुरैल का आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग द्वारा शैक्षणिक खंड चार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व इंफ्लिबिनेट की ओर से प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि अब समय बदल रहा है और फाइलों में रहने वाली रिसर्च संबंधी जानकारियां अब ऑनलाइन संग्रहित किए जाने लगी हैं। शोध चक्र ऐसा ही एक प्रयास है जिसका लाभ विद्यार्थियों और उनके शोध निर्देशकों को प्राप्त होगा। वे एक मंच पर शोध कार्य का आंकलन, संशोधन सुनिश्चित कर पाएंगे। प्रो. जेपी सिंह जुरैल ने कहा कि यह माध्यम पूरी तरह से इंटरएक्टिव माध्यम से कार्य करेगा। समूचा शोध कार्य ऑनलाइन माध्यम से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि इस शोध चक्र की सुविधा के अंतर्गत शोध संबंधी सहयोग सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जोकि कार्य की गुणवत्ता में इजाफा करेगी। इससे पूर्व पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने शोध चक्र के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस सुविधा के अंतर्गत तकनीकी रूप से उपलब्ध अत्याधुनिक शोध कार्य में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इससे गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर रेलेवेन्स ऑफ रंगनाथन्स एप्रोचेज टू द मॉडर्न डे इंफोरमेशन वर्ल्ड विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पोस्टर भी जारी किया गया। यह प्रतियोगिता सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली, डीआरटीएस, बंगलुरु सरदा रंगनाथन एंडोमेंट फॉर लाइब्रेरी साइंस, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज आर्गनाइजेशन, आईएफएलए सेक्शन ऑन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग और डीआईएलएस यूनिवर्सिटी ऑफ केलेनिया के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने दिया। मंच का संचालन डॉ. दिनेश चहल ने किया।

हकेंविवि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

नशे से दूर रहें युवा, जन जागरूकता अभियान चलाएं : प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि नशे से दूर रहें, यह वह बीमारी है जिससे न सिर्फ नशे के शिकार व्यक्ति का जीवन खत्म होता है बल्कि उसका परिवार भी तबाह हो जाता है।

उन्होंने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सभी युवाओं को नशे से दूर रहने और उसके खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प दिलाया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोग नशे से प्रभावित होते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और इससे बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति । संवाद

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, विज्ञान भारती, हरियाणा प्रांत, नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का व विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के साझा प्रयासों से प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक समरसता हरियाणा के प्रांत संयोजक मंजुल पालीवाल, डॉ. नितिन कौशिक ने प्रतिभागियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के आरंभ में विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष व विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने किया संबोधित

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. फूल सिंह, डॉ. राजेश कुमार दुबे, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. निशान सिंह व नशा मुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल के राष्ट्रीय प्रभारी अक्षत कांत, शिवम कुमार व हितेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

'विद्यार्थी देश के विकास में योगदान दें'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को पहली राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। आयोजन में निर्णायक मंडल के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ से पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. सुधा यादव, संसदीय कार्य मंत्रालय में एनवाईपी कोआर्डिनेटर डॉ. शालिनी शर्मा व राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल की प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में पहली बार राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। यकीनन इस आयोजन से विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली को नजदीक से जानने समझने को अवसर मिलेगा। कहा कि अब समय आ गया है कि विद्यार्थी देश के विकास में सक्रिय योगदान दें। संवाद

8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु हकेवि प्रतिबद्ध

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से 1 जून से 5 जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु हकेवि प्रतिबद्ध

महेंद्रगढ़, सरोज, महेश, प्रवीण (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से 1 जून से 5 जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

हकेंवि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध

योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देते हकेंवि के विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 1 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से 1 से 5 जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है।

डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए हकैवि प्रतिबद्ध

- योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से एक जून से पांच जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल तथा उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। योग विभाग के सहायक आचार्य डा. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि शामिल हैं।

महेंद्रगढ़। योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देते हकेवि के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

Preparations are going with enthusiasm for 8th International Yoga Day at CUH

UrvashiRana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: The preparations for the 8th International Yoga Day are going on continuously at Central University of Haryana (CUH). The university Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar said that the university is committed to organize International Yoga Day this time and for this the process of training is going on at various levels. The Yoga protocol training program is being organized for academic & non-teaching staff and their families from June 1-5 with the efforts of the Dean's Office of Student Welfare of the University. In this program, a large number of participants are organized in the garden located in the residential complex. Ajay Pal, teacher-in-charge of the Department of Yoga said that in this event, the head of the department, Prof. Neelam Sangwan, Dean of Student Welfare Prof. Anand Sharma and National Service Scheme (NSS) unit coordinator Dr. Dinesh Chahal and his team are getting constant support. He further informed that Dr. Ravi Kumar, Assistant Acharya of the Department of Yoga is playing an active role in the training program. In this sequence, the students of the department are also going to different schools and giving training in yoga protocol and the names of Kumari Raageshwari, Lasani Yadav, Akshay, Ajay, Nityanand, Somveer, Devendra, Rohit etc. are included in these students who are imparting training.

AJAY PAL, TEACHER-IN-CHARGE OF THE DEPARTMENT OF YOGA SAID THAT IN THIS EVENT, THE HEAD OF THE DEPARTMENT, PROF. NEELAM SANGWAN, DEAN OF STUDENT WELFARE PROF. ANAND SHARMA AND NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS) UNIT COORDINATOR DR. DINESH CHAHAL AND HIS TEAM ARE GETTING CONSTANT SUPPORT

आठवें योग दिवस की तैयारियां जोरों पर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है।

योगा प्रोटोकाल का प्रशिक्षण देते हकेंवि के विद्यार्थी ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से एक से पांच जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डा. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डा. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर हकेंवि में चल रही तैयारी, विद्यार्थी कर रहे योगाभ्यास

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है और विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से 1 जून से 5 जून तक शैक्षणिक व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

हकेंविवि में मनेगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है। योग दिवस की तैयारियों को लेकर विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण का प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रयासों से एक से पांच जून तक शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए योगा प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आवासीय परिसर स्थित उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस आयोजन में विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल व उनकी टीम का सहयोग निरंतर मिल रहा है। डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग के विद्यार्थी भी विभिन्न स्कूलों में जाकर योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण देने वाले इन विद्यार्थियों में कुमारी रागेश्वरी, लसानी यादव, अक्षय, अजय, नित्यानंद, सोमवीर, देवेंद्र, रोहित आदि के नाम शामिल हैं।

योगा प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देते हकेंविवि के विद्यार्थी। संवाद

हकेवि में रंग व रेखाओं का हुआ मिलन

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बीरवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएं नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैन्वस पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने चित्रकारी कर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया।

हकेंवि में रंग व रेखाओं का हुआ मिलन

- एक दिवसीय पेंटिंग व पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएं नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की जबकि आगंतुको की संख्या 72 रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. दिलीप पटेल, आलेख एस नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

महेंद्रगढ़। कुलपति को विश्वविद्यालय का हस्तलिखित कुलगीत भेंट करते हुए।

हकेंवि में रंग व रेखाओं का हुआ मिलन

रंग व रेखाएं कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिन्ह बनाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 2 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में वीरवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएं नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैन्वस पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिन्ह बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 4 में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने चित्रकारी कर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया।

उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए इस आयोजन के लिए आयोजकों की भी सराहना की। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने रंगों व रेखाओं के माध्यम से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थियों व अन्य प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने हम सभी को भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में सुकून के कुछ पल प्रदान किए। यकीनन इस तरह के आयोजन अपने अंतर्मन के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम बनते हैं।

कार्यक्रम में 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की जबकि आगंतुकों की संख्या 72 रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. दिलीप पटेल, आलेख एस. नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हकेवि में रंग व रेखाओं का हुआ मिलन

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वीरवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएँ नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैन्वस पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 03 June 2022
https://epaper.dainiktribu

पेंटिंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखा नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वहीं, विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है, वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने चित्रकारी कर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने रंगों व रेखाओं के माध्यम से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थियों व अन्य प्रतिभागियों के द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने हम सभी को भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में सुकून के कुछ पल प्रदान किए। आयोजन समिति के संयोजक डा. अमित कुमार ने बताया कि यह एक ओपन कार्यक्रम था, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ विश्वविद्यालय कर्मचारियों के बच्चों व स्वजन ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की, जबकि आगंतुकों की संख्या 72 रही।

कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिह्न बनाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डा. दिलीप पटेल, आलेख एस नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में एक दिवसीय पेंटिंग व पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन

रंग और रेखाएं अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम : वीसी टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएं नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैनवास पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने रंगों व रेखाओं के माध्यम से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थियों व अन्य प्रतिभागियों के द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने हम सभी को भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में सुकून के कुछ पल प्रदान किए। यकीनन इस तरह के आयोजन अपने अंतर्मन के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन करते रहने के लिए आयोजन समिति को प्रेरित किया।

महेंद्रगढ़ में रंग व रेखाएं कार्यक्रम में कुलपति को विश्वविद्यालय का हस्तलिखित कुलगीत भेंट करते समिति सदस्य ।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. दिलीप पटेल, आलेख एस नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

पेंटिंग अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम : कुलपति

रंग व रेखाएं कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिह्न बनाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को एक दिवसीय पेंटिंग एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंग और रेखाएं विषय पर आधारित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कैनवास पर रंगों व रेखाओं की जुगलबंदी हमेशा से ही अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही है। इस आयोजन में भी प्रतिभागियों ने जिस तरह से अपनी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया है वह सराहनीय है। कुलपति ने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव अभियान का प्रतीक चिह्न बनाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने चित्रकारी कर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए इस आयोजन के लिए आयोजकों की भी सराहना की। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने रंगों व रेखाओं के माध्यम से शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थियों व अन्य प्रतिभागियों के द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने हम सभी को भागदौड़ व तनाव भरी जिंदगी में सुकून के कुछ पल प्रदान किए। यकीनन इस तरह के आयोजन अपने अंतर्मन के विचारों को व्यक्त करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन करते रहने के लिए आयोजन समिति को प्रेरित किया। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि यह एक ओपन कार्यक्रम था, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों के साथ विश्वविद्यालय कर्मचारियों के बच्चों व परिवारजनों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 80 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की जबकि आगंतुकों की संख्या 72 रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. दिलीप पटेल, आलेख एस नायक, शैलेंद्र सिंह, दिनेश चौहान व राजेश बंसल सहित सभी सहयोगी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में साइकिल यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बारे में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है। इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण : जस्टिस सूर्यकांत

○ हकेवि में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है। इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों हेतु जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय जस्टिस श्री सूर्य कांत ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्य कांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि यह नया छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और इस पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज बेहतरी के लिए आवश्यक है कि धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का अनुसरण हो। भारतीय समाज इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए जागरूकता के साथ काम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता माननीय सर्वोच्च न्यायालय के माननीय जस्टिस सूर्य कांत ने समाज, देश व विश्व समुदाय के विकास में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आवश्यक समानता की दिशा में विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए नियम, कानून जरूरी हैं। साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप इनमें सुधार व संशोधन होते रहने चाहिए। जस्टिस सूर्य कांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बांगलादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाइंस को लागू किया गया है। यह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती हैं और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, सम्मान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है। उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय व विभिन्न शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि शैक्षणिक संस्थान न सिर्फ अपने संस्थान के स्तर पर बल्कि स्थानीय स्तर पर भी महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता व समानता के लिए बने विभिन्न अधिकारों से आमजन को अवगत करा कर समाज को और बेहतर बना सकते हैं। आम नागरिक को अधिकारों व कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करने में भी शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अहम है।

इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक व आईसीसी के सदस्य डॉ. प्रदीप सिंह ने विशाखा गाइडलाइन पर प्रकाश डालते हुए जस्टिस सूर्य कांत के द्वारा इस दिशा में दिए गए फैसलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने जस्टिस सूर्य कांत की अदृश्य न्याय और मुदकमेबाजी से संबंधित थ्योरी पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मंच का संचालन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने किया। कार्यक्रम के अंत में आईसीसी की प्रेजाइडिंग ऑफिसर प्रो. कल्पना चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यस्थल पर यौन शोषण के खिलाफ गाइडलाइन पर विशेष आयोजन

देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्णः सूर्य कांत

- हकेवि में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है। इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है, लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों हेतु जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय जस्टिस श्री सूर्य कांत ने व्यक्त किए।

जस्टिस सूर्य कांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बांगलादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाइंस को लागू किया गया है। यह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती हैं और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, समान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है। उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय व विभिन्न शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि शैक्षणिक संस्थान न सिर्फ अपने संस्थान के स्तर पर बल्कि स्थानीय स्तर पर भी महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता व समानता के लिए बने विभिन्न अधिकारों से आमजन को अवगत करा कर समाज को और बेहतर बना सकते हैं। आम नागरिक को अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने में भी शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अहम है।

हकेंवि में साइकिल यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 4 जून (परमजीत, मोहन): विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एन.एस.एस. क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है।

ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बार में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत निकाली गई फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शुरू होकर वाईफाई सर्कल पर समाप्त हुई।

इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्णः जस्टिस सूर्यकांत

■ हकेंवि में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ और आंतरिक शिकायत समिति द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 4 जून (परमजीत, मोहन): देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है।

इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों हेतु जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे।

ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के जस्टिस सूर्यकांत ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्य कांत ने उद्घाटन किया।

उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि यह नया छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और इस पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। समाज की बेहतरी के लिए आवश्यक है कि धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का अनुसरण हो। भारतीय समाज इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए जागरूकता के साथ काम करने की आवश्यकता है।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता माननीय सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सूर्यकांत ने समाज, देश व विश्व समुदाय के विकास में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आवश्यक समानता की दिशा में विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने इस अवसर पर विशाखा गाइडलाइन के लागू होने की कहानी का उल्लेख करने के साथ-साथ इस दिशा में न्यायालय के द्वारा निरंतर जारी प्रयासों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति का अधिकार, सेना में महिलाओं को समान अवसर जैसे प्रयासों का उल्लेख प्रमुख रहे।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए नियम, कानून जरूरी हैं। साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप इनमें सुधार व संशोधन होते रहने चाहिए।

विशाखा गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती है

जस्टिस सूर्यकांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बंगलादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाइंस को लागू किया गया है। यह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती है और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, समान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है।

उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय व विभिन्न शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस आयोजन के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व आयोजन समिति की सराहना की।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

The role of women in society is important for the development of the country - Justice Surya Kant

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

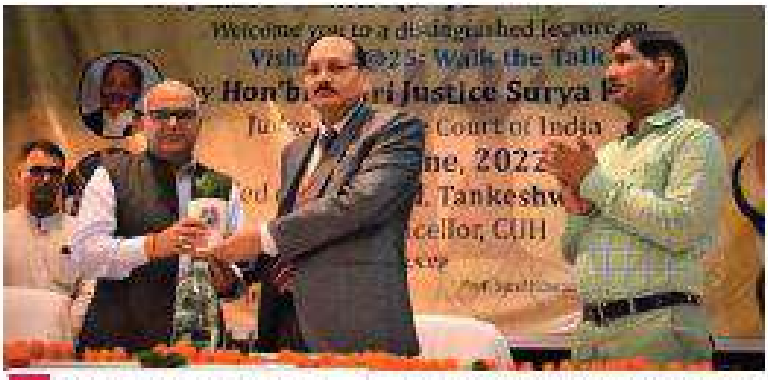

THESE VIEWS WERE EXPRESSED BY JUSTICE SURYA KANT, JUDGE SUPREME COURT OF INDIA IN THE EXPERT LECTURE ORGANIZED BY THE UNIVERSITY'S INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE (ICC) AND WOMEN'S EMPOWERMENT CELL AT CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA (CUH), MAHENDERGARH ON SATURDAY ON THE COMPLETION OF 25 YEARS OF 'VISHAKHA' GUIDELINE.

MAHENDERGARH: The role of women is very important in the development of the country and society. Swami Vivekananda has said that the country and the nation can be come great, which gives respect to women. The role of Role of judiciary and legislature is important in this direction, but awareness and discussion is very important for significant changes in this direction and for this educational institutions will have to come forward and make special efforts. These views were expressed by Justice Surya Kant, Judge Supreme Court of India in the expert lecture organized by the University's Internal Complaints Committee (ICC) and Women's Empowerment Cell at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Saturday on the completion of 25 years of 'Vishakha' guideline. The program was presided over by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University, while Dr. Pankaj Kumar, Additional District and Sessions Judge, Faridabad was also present in the event. Justice Surya Kant inaugurated the newly constructed girls hostel in the University campus with a capacity to accommodate 315 girl students. On this occasion, he also inaugurated World Environment Day by planting 'Triveni' in the hostel premises and releasing poster exhibition. Prof. Tankeshwar Kumar said that this new hostel is fully disabled-friendly and equipped with state-of-the-art facilities. In total 105 rooms built in it, facilities like bed, table, chair and wardrobe etc. have also been made available for the girl students. Prof. Sunil Kumar, Registrar presented the progress report of the University, Dr. Pankaj Kumar, Additional District and Sessions Judge, Faridabad, said that this topic is very important and continuous discussion is necessary on it. He said that for the betterment of the society it is necessary that religion, caste, color and gender equality should be followed. Indian society is constantly striving in this direction and for this there is a need to work with awareness. The distinguished speaker in the event, Justice Surya Kant, Judge, Supreme Court of India mentioned the role of women in the development of society, country and world community and mentioned special efforts towards the necessary equality. Along with mentioning the story of the implementation of the Vishakha guideline on this occasion, he also drew attention to the continuous efforts made by the court in this direction. In which the reference to the efforts like the right of ancestral property to women, equal opportunities to women in the army were prominent. He said that the judiciary is constantly striving to improve the conditions of the executive and for this rules and regulations are necessary.

महेंद्रगढ़। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली में हिस्सा लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में साइकिल यात्रा निकालकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

महेंद्रगढ़। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बारे में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत निकाली गई फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शुरू होकर वाईफाई सर्कल पर समाप्त हुई। इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्णः जस्टिस सूर्यकांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- कार्यस्थल पर यौन शोषण के खिलाफ बनी विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पर विशेष आयोजन

देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है, जो कि महिलाओं को सम्मान देता है। इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है, लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों हेतु जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सवार्ेच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की, जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जसटि्स सूर्यकांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार ने भी विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने किया।

साइकिल का इस्तेमाल कर पर्यावरण और खुद को रखें फिट : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बार में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है। वि की एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत निकाली गई फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शुरू होकर वाईफाई सर्कल पर समाप्त हुई। इस रैली में वि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्व पर्यावरण दिवस पर केवल एक धरा विषय पर वेबीनार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: राजकीय महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस पर 'केवल एक धरा' विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर एमआर लांबा, विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय जोशी एवं डा. सुधीर लांबा ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ की। प्राचार्य मेजर एमआर लांबा ने पर्यावरण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् प्रोफेसर प्रवीण माथुर ने अपने व्याख्यान में बताया कि आज पर्यावरण संरक्षित करना अनिवार्य है। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमारे पास केवल एक धरा है, हमें इसके साथ सौहार्द व भाईचारे के भाव से रहना है। इसके अत्यधिक दोहन से हर वर्ष जीवों की प्रजातियां विलुप्त होती जा रही हैं।इसी सत्र के दूसरे वक्ता डा. नरसिंह चौहान, जीव रसायन विभाग, महर्षि दयानंद वि, रोहतक ने पर्यावरणीय बदलावों पर चर्चा की। प्रोफेसर प्रवीण माथुर, डा. नर सिंह चौहान, प्रो. सुब्रतो दत्ता, डा. सुनील यादव, प्रो. संजय जोशी, डा. सुधीर लांबा व कार्यक्रम के संयोजक डा. अश्विनी व उनकी टीम को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य डा. लक्ष्मी नारायण, प्रो. जितेंद्र वशिष्ट, डा. मुकेश यादव, डा. सोमवीर सिवाच, प्रो. विकास, डा. बलजीत सिंह, शंकर लाल, इंद्रजीत, प्रो. विकास गुप्ता जूलोजी, ईश्वर, दीपक कुमार सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

स्कैन करें और पढ़ें 'विश्व पर्यावरण दिवस' से संबंधित सभी सामग्री।

देश के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण :सूर्य कांत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है। इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है लेकिन इस दिशा में उल्लेखनीय बदलावों के लिए जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में सर्वोच्च न्यायालय, भारत के जस्टिस सूर्यकांत ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. पंकज

कार्यक्रम को संबोधित करते सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ●

कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्यकांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलपति टेकेश्वर कुमार ने बताया कि यह नया छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। विशेषज्ञ वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सूर्यकांत ने समाज, देश व विश्व समुदाय के विकास में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आवश्यक समानता की दिशा में विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने इस अवसर पर विशाखा गाइडलाइन के लागू होने की कहानी का उल्लेख करने के साथ-साथ इस दिशा में न्यायालय के द्वारा निरंतर जारी प्रयासों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। जिसमें महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति का अधिकार, सेना में महिलाओं को समान अवसर जैसे प्रयासों का उल्लेख प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए नियम, कानून जरूरी हैं। साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप इनमें सुधार व संशोधन होते रहने चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बांग्लादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाईस को लागू किया गया है। वह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती है और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, समान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है। उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय व विभिन्न शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि शैक्षणिक संस्थान न सिर्फ अपने संस्थान के स्तर पर बल्कि स्थानीय स्तर पर भी महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता व समानता के लिए बने विभिन्न अधिकारों से आमजन को अवगत करा कर समाज को और बेहतर बना सकते हैं। आम नागरिक को अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने में भी शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अहम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार व आयोजन समिति की सराहना की। कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. पंकज कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और इस पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज बेहतरी के लिए आवश्यक है कि धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का अनुसरण हो। भारतीय समाज इस दिशा में निरंतर प्रवासरत है। इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक व आईसीसी के सदस्य डा. प्रदीप सिंह ने विशाखा गाइडलाइन पर प्रकाश डालते हुए जस्टिस सूर्यकांत के द्वारा इस दिशा में दिए गए फैसलों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने किया। कार्यक्रम के अंत में आइसीसी की प्रेजाइडिंग आफिसर प्रो. कल्पना चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सारिका शर्मा, डा. एपी शर्मा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

साइकिल यात्रा से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़ | विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हकेवि, महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बार में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है।

हकेंवि में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ

देश के विकास में महिलाओं की भूमिका अहम : जस्टिस सूर्यकांत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि वही देश महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है।

इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है और इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे। ये विचार हकेंवि महेंद्रगढ़ में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व

महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सूर्यकांत ने व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पूर्व नवनिर्मित बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्यकांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजेश मलिक, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. एपी शर्मा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

साइकिल यात्रा निकाल पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई।

साइकिल रैली में हिस्सा लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बार में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत निकाली गई फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शुरू होकर वाईफाई सर्कल पर समाप्त हुई। इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

देश के विकास के लिए समाज में महिलाओं की है भूमिका अहम : जस्टिस सूर्यकांत

हकेंविवि में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ ने किया विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश व समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि वह देश व राष्ट्र महान बन सकता है जो कि महिलाओं को सम्मान देता है।

इस दिशा में न्यायपालिका व कार्यपालिका की भूमिका अहम है। लेकिन इस दिशा में बदलावों के लिए जागरूकता व विमर्श बेहद जरूरी है। इसके लिए शैक्षिक संस्थानों को आगे आकर विशेष प्रयास करने होंगे।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विशाखा गाइडलाइन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत के माननीय जस्टिस सूर्यकांत ने व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि कार्यक्रम में फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार भी उपस्थित रहे।

न्यामूर्ति ने बालिका छात्रावास का किया उद्घाटन : कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 315 छात्राओं के रहने की क्षमता वाले बालिका छात्रावास का जस्टिस सूर्य कांत ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास परिसर में त्रिवेणी लगाकर व पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन कर विश्व पर्यावरण दिवस का भी शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि यह नया छात्रावास पूरी तरह से दिव्यांगजन हितैषी व अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें बने कुल 105 कमरों में छात्राओं के लिए बैड, टेबल, चेयर व अलमारी आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

नवनिर्मित बालिका छात्रावास का उद्घाटन करते जस्टिस सूर्यकांत। संवाद

धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का हो अनुसरण

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सम्मिलित वक्ता फरीदाबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद महत्वपूर्ण है और इस पर निरंतर विमर्श आवश्यक है। समाज बेहतरी के लिए आवश्यक है कि धर्म, जाति, रंग व लैंगिक समानता का अनुसरण हो। भारतीय समाज इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए जागरूकता के साथ काम करने की आवश्यकता है।

न्यायपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए हो रहे प्रयास

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता माननीय सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सूर्यकांत ने समाज, देश व विश्व समुदाय के विकास में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आवश्यक समानता की दिशा में विशेष प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने इस असवर पर विशाखा गाइडलाइन के लागू होने की कहानी का उल्लेख करने के साथ-साथ इस दिशा में न्यायालय के द्वारा निरंतर जारी प्रयासों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। महिलाओं को पैतृक संपत्ति का अधिकार, सेना में महिलाओं को समान अवसर जैसे प्रयासों का उल्लेख प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कार्यपालिका की स्थितियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए नियम, कानून जरूरी हैं। साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप इनमें सुधार व संशोधन होते रहने चाहिए। जस्टिस सूर्य कांत ने विशाखा गाइडलाइन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी उपयोगिता इस बात से साबित होती है कि हमारे पड़ोसी देशों बांग्लादेश व पाकिस्तान में भी ऐसी ही गाइडलाइंस को लागू किया गया है। यह गाइडलाइन कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती हैं और संविधान में प्राप्त समानता का अधिकार, समान अवसर का अधिकार, सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार के लिए आवश्यक है।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवार

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है। बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सीयूईटी 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रुझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवार

महेंद्रगढ़, 3 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है।

शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है।

बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेंवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टैक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सी.यू.ई.टी. 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रुझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों के इस उल्लेखनीय रुझान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि सी.यू.ई.टी. 2022 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर 11 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 2,12,722 आवेदन प्राप्त हुए। यह आवेदन प्रक्रिया 2 अप्रैल से शुरू होकर 31 मई तक चली और इस प्रक्रिया के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए गए। प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जल्द ही तिथियों की घोषणा की जाएगी।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और यह प्रक्रिया भी सी.यू.ई.टी. के माध्यम से की जा रही है, जिसके लिए आगामी 18 जून तक आवेदन किया जा सकता है।

मिशन एडमिशन सबसे अधिक बीटेक. कम्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 60 सीटों के लिए आए 71624 आवेदन

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर 431 उम्मीदवार

- स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने किया आवेदन

जनमार्ग न्यूज़

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के

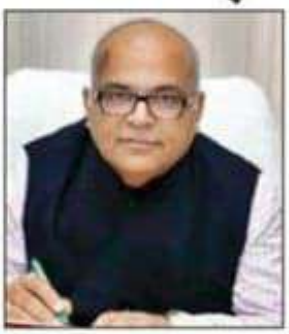

निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है।

बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेंवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं।

जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदक दाखिले के इच्छुक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सीयूईटी 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रुझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों के इस उल्लेखनीय रुझान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2022 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर 11 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 212722 आवेदन प्राप्त हुए। यह आवेदन प्रक्रिया 2 अप्रैल से शुरू होकर 31 मई तक चली और इस प्रक्रिया के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए गए। प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जल्द ही तिथियों की घोषणा की जाएगी। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और यह प्रक्रिया भी सीयूईटी के माध्यम से की जा रही है। जिसके लिए आगामी 18 जून तक आवेदन किया जा सकता है।

431 applicants for every seat of undergraduate course at CUH

TITCorrespondent
info@impressivetim es.com

MAHENDERGARH: For the session 2022-23, in various 11 undergraduate programmes available in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, there is a tremendous competition this time among the students from all over the country. As per the direction of the Ministry of Education and the University Grants Commission, Central University of Haryana is taking admissions for undergraduate courses under the Common University Entrance Test (CUET) 2022. After the application process that ended on May 31, 2 Lakh 12 Thousand 722 candidates have applied for a total of 493 seats available for 11 undergraduate and integrated courses at CUH. Thus, on an average, 431 applicants are willing to take admission in each seat. As far as the maximum number of applications are concerned, a total of 71624 applications have been received against the 60 seats of B.Tech. - Computer Science and Engineering. In this way, 1193 applicants are willing to take admission on every seat in this programme. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor said that it is an indicator of the progress of the University in the last 13 years. Expressing happiness over this remarkable trend of the students, he said that it is definitely a matter of pride for the University and with this achievement our responsibility has also increased. Prof. Rajiv Kumar, Controller of Examinations informed that under CUET 2022, a total of 212722 applications were received for 11 undergraduate programmes. Prof. Rajiv Kumar said that in the next phase of the application process, the entrance exam will be conducted for which the dates will be announced soon. The application process for postgraduate courses in addition to the undergraduate courses available in the University is underway and this process is also being done through CUET, for which applications can be made till June 18. Prof. Phool Singh, Nodal Office, CUET-2022 CUH said that previous year the University has been taking admissions through the University Common University Entrance Test held at the level of various Universities. In this session 212722 applications have been received for 493 seats of undergraduate, which is a record. This time most of central universities like University of Delhi, Jawaharlal Nehru University are going to take admission in this entrance exam for their undergraduate and postgraduate courses.

AS FAR AS THE MAXIMUM NUMBER OF APPLICATIONS ARE CONCERNED, A TOTAL OF 71624 APPLICATIONS HAVE BEEN RECEIVED AGAINST THE 60 SEATS OF B.TECH. - COMPUTER SCIENCE AND ENGINEERING. IN THIS WAY, 1193 APPLICANTS ARE WILLING TO TAKE ADMISSION ON EVERY SEAT IN THIS PROGRAMME.

Sr. No. Programme No. of Seats No. of applications received 1 B.Sc. Hons. in Psychology 30 9681 2 B.Tech. Civil Engineering 60 21714 3 B.Tech. Computer Sc.& Engg. 60 71624 4 B.Tech. Electrical Engineering 60 25708 5 B.Tech. Printing & Packaging Tech. 30 8022 6 B.Voc. Bio Medical Sciences 50 7854 7 B.Voc. Industrial Waste Mgt. 50 4726 8 B.Voc. Retail & Logistics Mgt. 63 6232 9 B.Sc. M.Sc. Chemistry 30 18476 10 B.Sc. M.Sc. Mathematics 30 20249 11 B.Sc. M.Sc. Physics 30 18436 Total 493 212722.

हकेवि स्नातक की 493 सीटों के लिए 2 लाख ने किया आवेदन

नारनौल, 3 जून (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शिक्षा सत्र (2022-23) के अंतर्गत स्नातक स्तर पर विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है। हकेवि में उपलब्ध 11 स्नातक व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए 2 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन किया है।

ne.com

दैनिक ट्रिब्यून Sa ht

हकेंवि में स्नातक की हर सीट पर 431 उम्मीदवार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सत्र 2022-23 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर उपलब्ध विभिन्न 11 पाठ्यक्रमों में इस बार देश भर के विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त प्रतियोगिता देखने को मिल रही है। शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है। बीती 31 मई को खत्म हुई आवेदन प्रक्रिया के पश्चात हकेंवि में उपलब्ध 11 स्नातक और इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध कुल 493 सीटों के लिए दो लाख 12 हजार 722 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। इस तरह औसतन हर सीट पर 431 आवेदन दाखिले के इच्छुक हैं। जहां तक बात सबसे अधिक आवेदनों की है तो विश्वविद्यालय में उपलब्ध बी. टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 60 सीटों के लिए कुल 71624 आवेदन आए हैं। इस तरह इस

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

कोर्स में हर सीट पर 1193 आवेदन दाखिले के इच्छुक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सीयूईटी 2022 के अंतर्गत आयोजित इस दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के प्रति आवेदकों के रुझान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बीते 13 सालों में विश्वविद्यालय की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों के इस उल्लेखनीय रुझान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इस उपलब्धि के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2022 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर 11 पाठ्यक्रमों के लिए कुल 212722 आवेदन प्राप्त हुए। यह आवेदन प्रक्रिया दो अप्रैल से शुरू होकर 31 मई तक चली और इस प्रक्रिया के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देशभर के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किए गए। आवेदन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जल्द ही तिथियों की घोषणा की जाएगी। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। इसके लिए आगामी 18 जून तक आवेदन किया जा सकता है। सीयूईटी 2022 के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय पूर्व में भी विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्तर पर आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही अपने यहां दाखिले करता रहा है।

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए: प्रो. कामाख्या

महेंद्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो.कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यातिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया।

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए : प्रो . कामाख्या

महेंद्रगढ़, 8 जून (परमजीत, मोहन): अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवैंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. कामाख्या कुमार उपस्थित रहे।

व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते प्रो. कामाख्या कुमार।

उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यातिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों से करवाया। कार्यक्रम में योग विभाग, भूगोल विभाग, शिक्षा पीठ और शारीरिक शिक्षा खेल विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। उपयुक्त कार्यक्रम में योग विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. रवि कुमार, ट्रैकिंग एवं एडवैंचर क्लब के सभी सदस्य सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. खेराज, सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. संदीप आदि उपस्थित रहे।

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते प्रो. कामाख्या कुमार। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डा. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यातिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया। भूगोल विभाग, शिक्षा पीठ और शारीरिक शिक्षा खेल विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Every act of life should be Yogic - Prof. Kamakhya Kumar

TITCorrespondent
info@impressivetim es.com

ON THIS OCCASION, DR. DINESH CHAHAL, CONVENER, NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS) AND ASSOCIATE PROFESSOR AT SCHOOL OF EDUCATION, ALSO MOTIVATED THE STUDENTS TO KEEP ON LEARNING.

MAHENDERGARH: Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh was organised a Expert Lecture on Yoga. This programme was organised by the Department of Yoga and Yoga Tracking and Adventure Club under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University. This lecture given by Professor Kamakhya Kumar, HoD, Department of Yoga, Uttarakhand Sanskrit University. Prof. Kamakhya Kumar inspired the students to imbibe yoga in life. He said that the practice of yoga should be reflected in every action of a person. Yoga is not only doing asanas or pranayama, but every act of life should be yogic. On this occasion, Dr. Dinesh Chahal, Convener, National Service Scheme (NSS) and Associate Professor at School of Education, also motivated the students to keep on learning. At the beginning of the program, the Chief Guest was introduced to the participants by the teacher-in-charge of the Yoga Department, Dr. Ajay Pal. Students of Yoga Department, Geography Department, School of Education and Physical Education Sports Department participated in the programme. At the end of the program, the vote of thanks was presented by the Assistant Professor at School of Education Dr. Kiran Rani. In the above program, guest lecturer of Yoga Department Dr. Ravi Kumar, all the members of Trekking and Adventure Club, Assistant Professor Geography Department Dr. Kheraj, Assistant Professor Geography Department Dr. Sandeep etc. were present.

'जीवन का प्रत्येक कार्य योगमय होना चाहिये'

नारनौल में बुधवार को व्याख्यान देते प्रो. कामाख्या कुमार। -निस

नारनौल (निस) : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रेनिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। प्रो. कामाख्या कुमार ने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 09 June 2022
https://epaper.dainiktribun

जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए : प्रो. कामाख्या कुमार

विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते प्रो . कामाख्या कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो.कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डा. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डा. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में योग विभाग के अतिथि व्याख्याता डा. रवि कुमार, सहायक आचार्य भूगोल विभाग डा. खेराज, सहायक आचार्य भूगोल विभाग डा. संदीप आदि उपस्थित रहे।

योग को जीवन में आत्मसात करें विद्यार्थी : प्रो. कामाख्या

महेंद्रगढ़ | अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के योग विभाग, योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। व्याख्यान में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. कामाख्या कुमार ने विद्यार्थियों को योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यातिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम में योग विभाग, भूगोल विभाग, शिक्षा पीठ और शारीरिक शिक्षा खेल विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में योग विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. रवि कुमार, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के सभी सदस्य सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. खेराज, सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. संदीप आदि उपस्थित रहे।

हकेंविवि में संबोधित करते प्रो. कामाख्या कुमार। संवाद

'जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए'

महेंद्रगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग और योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब की ओर से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. कामाख्या कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। योग का अभ्यास व्यक्ति के प्रत्येक कर्म में परिलक्षित होना चाहिए। केवल आसन या प्राणायाम करना ही योग नहीं है बल्कि जीवन का प्रत्येक कार्य ही योगमय होना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयोजक और शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि का परिचय योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम में योग विभाग, भूगोल विभाग, शिक्षा पीठ और शारीरिक शिक्षा खेल विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। उपर्युक्त कार्यक्रम में योग विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. रवि कुमार, ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब के सभी सदस्य सहायक आचार्य भूगोल विभाग डॉ. खेराज आदि उपस्थित रहे। संवाद

महेंद्रगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

प्रकृति के बिना मानव जीवन का अस्तित्व नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

■ हकेंवि में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

प्रकृति हमें जीवन देती है। प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं, बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पौधरोपण करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी धाम भिवानी के बालयोगी महंत चरणदास विशिष्ट अतिथि, जबकि फोरेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाडली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक कार्डिनेटर दिनेश शर्मा गणमान्य अतिथि में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, ग्रीन कैंपस क्लीन कैम्पस क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सभी चीजें हमें पर्यावरण से ही मिलती हैं।

JUDGE INAUGURATES HOSTEL AT CUH

Mahendragarh: The internal complaints committee and women empowerment cell at Central University of Haryana organised an expert lecture on the completion of 25 years of 'Vishakha' guideline. Justice Surya Kant of the Supreme Court was the chief guest. He said the role of women was crucial in the development of the country and society. He also inaugurated a girls' hostel in the university campus.

The Tribune
Tue, 07 June 2022
https://epaper.tribune.

हकेंवि में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व बालयोगी महंत चरणदास।

महेंद्रगढ़, 5 जून (परमजीत, मोहन): प्रकृति हमें जीवन देती है। प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है।

इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पौधारोपण करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी धाम, भिवानी के बालयोगी महंत चरणदास विशिष्ट अतिथि के रूप में जबकि फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाड़ली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक को-आर्डिनेटर दिनेश शर्मा गण्यमान्य अतिथि में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई के सहयोग से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सभी चीजें हमें पर्यावरण से ही मिलती हैं, इसलिए हमारा कर्त्तव्य है कि हम स्वयं भी पर्यावरण की रक्षा करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

विश्वविद्यालय अथक प्रयासों से मरूस्थल में हरियाली लाने का कर रहा कार्य: महंत चरणदास

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बालयोगी महंत चरणदास ने विश्वविद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधों और हरियाली को देखकर कहा कि विश्वविद्यालय अपने अथक प्रयासों से मरूस्थल में हरियाली लाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान से लगे इस क्षेत्र में पेड़ उगाना बहुत मेहनत का कार्य है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित इस कार्य में लगे कर्मचारियों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम तथा नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण एवं इससे संबंधित समस्याओं की गंभीरता से परिचित है। धरती पर संतुलन बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने में केंद्र प्रयासरत है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. शांतेश कुमार, एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल सहित शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: प्रकृति हमें जीवन देती है। प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पौधारोपण करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी धाम, भिवानी के बालयोगी महंत चरणदास विशिष्ट अतिथि के रूप में, जबकि फारेस्ट रेंज आफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाडली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक कार्डिनेटर दिनेश शर्मा गणमान्य अतिथि में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि हमें जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सभी चीजें हमें पर्यावरण से ही मिलती हैं। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम स्वयं भी पर्यावरण की रक्षा करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बालयोगी महंत चरणदास ने विश्वविद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधों और हरियाली को देखकर कहा कि विश्वविद्यालय अपने अथक प्रयासों से मरूस्थल में हरियाली लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से लगे इस क्षेत्र में पेड़ उगाना बहुत मेहनत का कार्य है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित इस कार्य में लगे कर्मचारियों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासरत है। कार्यक्रम तथा नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण एवं इससे संबंधित समस्याओं की गंभीरता से परिचित है। धरती पर संतुलन बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने में केंद्र प्रयासरत है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. शांतेश कुमार, एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल, डा. मोना शर्मा, डा. रविदत्त, डा. शाहजहान, सुंदर लाल, दिलीप पटेल, प्रदीप कुमार, सुनील अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।वहीं दूसरी ओर विश्व पर्यावरण दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नांगल सिरोही के कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। पौधारोपण अभियान की शुरुआत डा. रामनिवास डहीनवाल, डा.आशुतोष शर्मा और डा विश्वशक्ति ने की। इस अवसर पर सीएचसी नांगल सिरोही में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी अनिल रसूलपुरिया ने कहा की पर्यावरण संरक्षण के लिये हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिये । सीएचसी नांगल सिरोही में कार्यरत कर्मचारी महेंद्र सिंह व अशोक बेरी ने कहा कि अब आगे बरसात का सीजन आने वाला है और हम सबको अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए । इस अवसर पर सीनियर लैब टेक्नीशियन रामपाल, सुषमा एलटी,दलबीर, पवन, प्रवीण, ललित, हरीश सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व बालयोगी महंत चरणदास ● सौ. प्रवक्ता

प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं : कुलपति टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

प्रकृति हमें जीवन देती है। प्रकृति के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पौधारोपण करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी धाम, भिवानी के बालयोगी महंत चरणदास विशिष्ट अतिथि के रूप में जबकि फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाड़ली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक कार्डिनेटर दिनेश शर्मा गणमान्य अतिथि में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. शांतेश कुमार, एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रविदत्त, डॉ. शाहजहान, सुंदर लाल, दिलीप पटेल, प्रदीप कुमार, सुनील अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

एससी स्टूडेंट्स को यूपीएससी की फ्री कोचिंग देगा हकेंवि

प्रवेश परीक्षा पास करने वालों को ही मिलेगा मौका

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ अब अनुसूचित जाति के यूपीएससी की तैयारी कराएगा। विवि में डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डेस) की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत देशभर से चयनित एससी वर्ग के युवाओं को यूपीएससी प्रिलिम्स व मुख्य परीक्षा की निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। देश के 30 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 2022 से डेस का संचालन शुरू किया गया है, जिसमें हकेंवि भी शामिल है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि निशुल्क कोचिंग के लिए देशभर से आवेदन मांगे गए हैं विद्यार्थी 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

डेस के कॉर्डिनेटर डॉ. अन्तरेश कुमार ने बताया कि डेस के लिए देशभर से एससी स्टूडेंट्स का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। इसमें 100 सीटें होंगी, जिसमें 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। इसमें दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश परीक्षा में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, जो सामान्य ज्ञान, भाषा कौशल, तर्क क्षमता और सामान्य योग्यता का परीक्षण पर आधारित होंगे। चयनित अभ्यर्थी कोचिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। सफल उम्मीदवारों की सूची योग्यता के आधार पर बनाई जाएगी। इस सेंटर में विवि फैकल्टी के अलावा बाहरी प्रोफेशनल्स भी कोचिंग देंगे।

प्रकृति के बिना जीवन का अस्तित्व नहीं : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। प्रकृति हमें जीवन देती है इसके बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें।

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति विशेष अथवा सरकार की नहीं बल्कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पौधरोपण करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को संबोधित किया।

पौधरोपण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व बालयोगी महंत चरणदास। संवाद

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासरत है। कार्यक्रम तथा नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण एवं इससे संबंधित समस्याओं की गंभीरता से परिचित है। इस अवसर पर फारेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र यादव, जल शक्ति एवं पौधागिरी अभियान महेंद्रगढ़ के प्रभारी राजेश शर्मा झाड़ली व रेडक्रॉस सोसायटी महेंद्रगढ़ के ब्लॉक कार्डिनेटर दिनेश शर्मा, विवि के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. शांतेश कुमार, एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रविदत्त, डॉ. शाहजहान, सुंदर लाल, दिलीप पटेल, प्रदीप कुमार, सुनील अग्रवाल सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में साइकिल यात्रा निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, दिल्ली के सहयोग से निकाली गई इस साइकिल रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज प्रदूषण के कारण खुली हवा में सांस लेना भी जानलेवा साबित होने लगा है। ऐसे में साइकिल रैली का उद्देश्य प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के बारे में विश्वविद्यालय परिवार व आमजन को जागरूक करना है। साथ ही युवा पीढ़ी को शारीरिक रूप से फिट रखने का प्रयास इस साइकिल रैली के माध्यम से किया जा रहा है। इस रैली में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके बच्चों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया।

जल संरक्षक जोड़ो अभियान शुरू

'महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो नूतन निर्माण पर देना होगा जोर'

नारनौल, 11 जून (निस)

आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरुआत हुई।

इस अवसर पर जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने कई गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों से आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। इस मौके पर जलपुरुष ने सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने युवाओं के लिए 'सेल्फी विद तलैया' का भी आह्वान किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है।

दैनिक ट्रिब्यून Sun, 12 June 2022
https://epaper.dainiktribun

जल साक्षरता अभियान के लिए विश्वविद्यालय व प्रशासन को मिलकर काम करने के लिए किया प्रेरित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: मिशन महेंद्रगढ़-अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आइआइटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरुष डा. राजेंद्र सिंह ने गांव से स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीवाला बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। उन्होंने सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। डा. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, ईंजीनियरिंग कौशल के ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़ें। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया। जिला उपायुक्त डा. जेके आधीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में आइआइटीटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञों व अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने जल संरक्षण की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमने सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य

दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय जल सम्मेलन का उद्घाटन करते जिला उपायुक्त व मेगासेसे अवार्डी डा. राजेंद्र सिंह • सौ. प्रवक्ता

में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो जाएगी।

इस मौके पर उपायुक्त डा. जेके आधीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिला में एक जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात हो तो वह बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उन्होंने कहा कि जब यह पानी इन गड्ढों में भर जाएगा तो वह धीरे धीरे धरती की गोद में समा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें शारीरिक मेहनत करके हर व्यक्ति अपना सहयोग दे सकता है। इसमें पैसा खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने एक बैंक का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे बैंक खाते में पैसा जमा होता है अगर उसमें पैसा जमा न करवाएं तथा धीरे-धीरे उसमें से पैसा निकलवाते रहें तो वह सारा पैसा धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा।

जिस मौके पर ही जिला उपायुक्त व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वीकार कर लिया। उद्घाटन कार्यक्रम के अंतिम चरण में इंदिरा खुराना ने जल संरक्षण की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में शुरू हुए इस अभियान को महत्वपूर्ण बताया और इसके लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। डा. ज्योति आधीर ने जमीनी स्तर पर इस दिशा में जारी प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जल संरक्षण के लिए इस अभियान में सम्मिलित सभी प्रतिभागी स्थानीय स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करें। कार्यक्रम के अंत में रमेश शर्मा ने गीत प्रस्तुत किया और रामनिवास यादव ने जल संरक्षण को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ श्री दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा, डॉ. आरती यादव, डा. रेनु यादव व डा. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अभेज्ञा, डा. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं के क्षमता निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं के क्षमता निर्माण पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आईसीएमआर के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि युवा शोधार्थियों की क्षमताओं के विकास व विषय के ज्ञान में यह आयोजन सहायक साबित होगा। दो दिवसीय इस कार्यशाला के पहले दिन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आईसीएमआर की डा. प्रियंका बंसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आईसीएमआर के वैज्ञानिक कार्यशाला में परिचयात्मक टिप्पणियां प्रस्तुत की। आईसीएमआर, नई दिल्ली के पूर्व एडिशनल महानिदेशक व जोधपुर सिटी नालेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन, आईआईटी, जोधपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. जीएस टोटेजा ने भारत में पोषण परिदृश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग, सेंट, जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर के प्रोफेसर एवं प्रमुख डा. टिंकू थॉमस ने शोध अध्ययन की अवधारणा व प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डा. श्याम प्रकाश अच्छी प्रयोगशाला अभ्यासों पर अपना व्याख्यान दिया।

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ और शिक्षक ● सौ. प्रवक्ता

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत आईसीएमआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डा. जियान गोनमेई के व्याख्यान के साथ हुई। डा. प्रियंका बंसल ने पोषण अनुसंधान से जुड़ी विभिन्न फैलोशिप और अनुदान से संबंधित योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पोषण जीवविज्ञान विभाग के सह आचार्य डा. विद्युल्लता पेडिरेड्डी ने दिया।

जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत, केंद्रीय विवि में हुआ सम्मेलन

जल साक्षरता में हकेंवि और प्रशासन मिलकर करेंगे काम, डीसी ने सेल्फी विद तलैया का किया आह्वान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से शनिवार को हकेंवि, महेंद्रगढ़ में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर जल पुरूष डॉ. राजेंद्र सिंह ने गांव से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी-अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे। जल पुरूष ने इस मौके पर सनातन समाधान का उल्लेख करते हुए

सदैव, नित, नूतन निर्माण की प्रक्रिया को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इसके माध्यम से हम इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर डीसी डॉ. जेके. आभीर ने प्रशासन की ओर से इस दिशा में जारी प्रयासों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया और सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया। जिला उपायुक्त ने इस मौके पर युवाओं के लिए सेल्फी विद तलैया का भी आह्वान किया। प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षित करने के लिए यदि हमने सामूहिक प्रयास नहीं किए तो भविष्य में पानी की समस्या गंभीर से बहुत गंभीर हो जाएगी। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में 1 जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात हो तो वह बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उन्होंने कहा कि जब यह पानी इन गड्ढों में भर जाएगा तो वह धीरे धीरे धरती की गोद में समा जाएगा। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्त्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में रमेश शर्मा में गीत प्रस्तुत किया और रामनिवास यादव ने जल संरक्षण को महत्त्वपूर्ण बताया। आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. विकास गर्ग, सुंदर लाल शर्मा, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संकल्प के साथ जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरुआत

साझा प्रयासों की आवश्यकता पर दिया बल, विवि व प्रशासन को मिलकर काम करने के लिए किया प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अपना जल, स्वच्छ भारत मिशन, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सांझा प्रयासों से शनिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई।

इस अवसर पर जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने स्थानीय गांवों से आए प्रतिनिधियों, स्कूलों व महाविद्यालय के पदाधिकारियों तथा विश्वविवद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यदि महेंद्रगढ़ को पानीदार बनाना है तो हमें अपनी जमीन पर इसके लिए आवश्यक प्रयास करने होंगे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि जल पुरुष व मैगसेसे अवॉर्ड विजेता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए तकनीक, इंजीनियरिंग कौशल के ज्यादा महत्वपूर्ण है कि समाज का मन पानी से जुड़े। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भूगोल बदलने में समय लगता है और इसके लिए सामूहिक प्रयास समाज को संगठित कर करने होंगे। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन को मिलकर जल साक्षरता अभियान की शुरूआत करने के लिए प्रेरित किया। जिसे मौके पर ही उपायुक्त व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वीकार कर लिया।

राष्ट्रीय जल सम्मेलन का उद्घाटन करते उपायुक्त डॉ. जेके आभीर व डॉ. राजेंद्र सिंह। संवाद

सेल्फी विद तलैया की अपील

जिला उपायुक्त ने 2017 से इस दिशा में जारी प्रयासों की बात करते हुए सेल्फी विद तलैया व जगह-जगह गड्ढ़े तैयार कर वर्षा जल संचयन व अपशिष्ट जल के संचयन की दिशा में प्रयास करने की अपील की। साथ ही कहा कि हम इस लक्ष्य को अपसी सहयोग से बेहद सहज रूप से प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर इंदिरा खुराना ने जल संरक्षण की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में शुरू हुए अभियान को महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित जल संरक्षक अभियान की शुरूआत के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का शुभांभ दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईटीटीएम के बाबू लाल यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञों व अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जल संरक्षण का प्रण लेकर आगे बढ़ें। कुलसचिव ने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से स्थानीय प्रशासन को आश्वस्त किया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. ने कहा कि जिला में 1 जून से मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान शुरू किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जल स्तर को बढ़ाना है। इसमें किसान, युवा वर्ग व अन्य सभी आमजन का सहयोग जरूरी है। पानी को एकत्रित करने के लिए खेतों में, पंचायती जमीन में, घरों में व काम न आने वाली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर छोड़ दें ताकि जब बरसात का पानी उन गड्ढों में भर जाए। उपायुक्त ने कहा कि जब प्रण लेता हूं तो उसे पूरा करता हूं और इसके लिए स्थानीय सहयोग के साथ आगे बढ़ने पर विश्वास रखता हूं। वहीं, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस मौके पर विवि के स्तर पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के ज्वाइंट सीईओ श्री दिनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम सुरेंद्र कुमार व एसडीएम नारनौल मनोज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विवि की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आरती यादव, डॉ. रेनु यादव व डॉ. विनीता मलिक ने सक्रिय भूमिका निभाई।

युवा शोधार्थियों की क्षमताओं के विकास में सहायक होगी कार्यशाला : कुलपति

हकेंविवि में पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं के क्षमता निर्माण पर कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषण अनुसंधान के लिए युवा शोधकर्ताओं के क्षमता निर्माण पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आईसीएमआर के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों को बधाई दी। साथ ही कहा कि युवा शोधार्थियों की क्षमताओं के विकास व विषय के ज्ञान में यह आयोजन सहायक साबित होगा।

दो दिवसीय इस कार्यशाला के पहले दिन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आईसीएमआर की डॉ. प्रियंका बंसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आईसीएमआर, नई दिल्ली के पूर्व एडिशनल महानिदेशक व जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन, आईआईटी, जोधपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. जी.एस. टोटेजा ने भारत में पोषण परिदृश्य पर प्रकाश डाला। बायोस्टेटिस्टिक्स विभाग, सेंट, जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बंगलूरू के प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. टिंकू थॉमस ने शोध अध्ययन की अवधारणा व प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्याम प्रकाश अच्छी प्रयोगशाला अभ्यासों पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत आईसीएमआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. जियान गोनमेई के व्याख्यान के साथ हुई। डॉ. प्रियंका बंसल ने पोषण अनुसंधान से जुड़ी विभिन्न फैलोशिप और अनुदान से संबंधित योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पोषण जीवविज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. विद्युल्लता पेडिरेड्डी ने दिया। कार्यशाला में प्रो. नीलम सांगवान ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। आयोजन के दौरान पोषण जीवविज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्य डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. तेजपाल ढेवा भी उपस्थित रहे।

हकेंविवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ व शिक्षक। संवाद

जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत आज

हकेंवि की फाइल फोटो।

महेंद्रगढ़, 10 जून (परमजीत, मोहन): महेंद्रगढ़ में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत शनिवार 11 जून को जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत होने जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काऊंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आई.आई.टी.टी.एम., पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सांझा प्रयासों से 2 दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में जल पुरुष व मैग्ससे पुरस्कार प्राप्त डॉ. राजेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम के आयोजक जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत पर स्थानीय लोगों की भागीदारी से जल संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयासों को बल प्रदान करना है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थानीय प्रशासन व अन्य सहभागियों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में हो रही इस शुरूआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है और आज के समय में अपने सामाजिक कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु विश्वविद्यालय जल संरक्षण से जुड़े इस अभियान में हर संभव सहयोग के लिए तैयार है।

कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस दिशा में परम्परागत उपायों के साथ तकनीकी व वैज्ञानिक उपायों को भी अपनाना होगा और इस कार्य में आपसी सांझेदारी की यह व्यवस्था महत्वपूर्ण साबित होगी।

करीब 25 विशेषज्ञों के अनुभवों और शोध कार्य से रू-ब-रू होने का अवसर प्रतिभागियों को मिलेगा

विश्वविद्यालय में 2 दिवसीय इस आयोजन के संदर्भ में आई.आई.टी.टी.एम. के बाबू लाल यादव ने बताया कि 2 दिनों तक आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत चलने वाले इस जल सम्मेलन में जल संरक्षण की दिशा में काम कर रहे करीब 25 विशेषज्ञों के अनुभवों और शोध कार्य से रू-ब-रू होने का अवसर प्रतिभागियों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से सम्मिलित सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत जल संरक्षण की आवश्यकता, महेंद्रगढ़ में जल संरक्षण की मौजूदा स्थिति के साथ-साथ इस दिशा में जारी व आवश्यक उपायों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में होगा जल संरक्षक जोड़ो अभियान कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में तरुण भारत संघ, इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल तथा जिला प्रशासन की ओर से 11 व 12 जून को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल सरंक्षक जोड़ो अभियान व मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के तहत राष्ट्रीय जल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर जलपुरुष मैगसेसे और स्टॉक होम वाटर अवॉर्डी डॉ. राजेंद्र सिंह शिरकत करेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान (जल सरंक्षक जोड़ो अभियान) के तहत 11 व 12 जून को सुबह 10 से शाम पांच बजे तक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद शर्मा ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय जल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जल संरक्षक जोड़ो अभियान आज से

नारनौल, 10 जून (निस)

महेंद्रगढ़ में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत शनिवार को जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरूआत होने जा रही है।

इस अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जल पुरूष व मैग्ससे पुरस्कार प्राप्त डॉ. राजेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून

पानी को व्यर्थ बहने से रोकने को उठाए जाएं ठोस कदम : उपायुक्त

संस, महेंद्रगढ़: उपायुक्त डा. जेके आभीर के ड्रिम प्रोजेक्ट मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान में जलपुरुष मैगसेसे और स्टाकहोम वाटर अवार्डी डाक्टर राजेंद्र सिंह जान डालेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तरुण भारत संघ, इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल तथा जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ की ओर से 11 व 12 जून को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में वह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे और जल बचाने की मुहिम को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

उपायुक्त ने जल संरक्षण को लेकर यह नई पहल की है। इस पहल के तहत जिले के हर घर व खेत के पानी को व्यर्थ बहने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए हर खेत के कोने में गड्ढे खोदने और घरों में भी बरसात के पानी को नालियों की बजाए जमीन में ही रिचार्ज करने के लिए प्रेरित किया जाना है। इसी के

मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान में जलपुरुष मैगसेसे और स्टाकहोम वाटर अवार्डी डा. राजेंद्र सिंह लेंगे हिस्सा

तहत हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस मुहिम में सहयोग कर रहे हैं। जल संरक्षक जोड़ो अभियान व मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के तहत राष्ट्रीय जल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जलपुरुष मैगसेसे व स्टाकहोम वाटर अवार्डी डाक्टर राजेंद्र सिंह शिरकत करेंगे। मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान (जल संरक्षक जोड़ो अभियान) के तहत 11 व 12 जून को सुबह 10 से शाम पांच बजे तक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा आडिटोरियम में राष्ट्रीय जल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम

जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह होंगे मुख्यातिथि

हकेंविवि में दो दिवसीय जल संरक्षक अभियान आज से

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत 11 जून को जल संरक्षक जोड़ो अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इंडियन हिमालयन रिवर बेसिन काउंसिल, तरुण भारत संघ, जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ व आईआईटीटीएम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साझा प्रयासों से दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में जल पुरुष व मैग्ससे पुरस्कार प्राप्त डॉ. राजेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के आयोजक जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने बताया कि स्थानीय लोगों की भागीदारी से जल संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयासों को बल प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्थानीय प्रशासन व अन्य सहभागियों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में हो रही इस शुरूआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है और आज के समय में अपने सामाजिक कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु विश्वविद्यालय जल संरक्षण से जुड़े इस अभियान में हर संभव सहयोग के लिए तैयार है। कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस दिशा में परंपरागत उपायों के साथ तकनीकी व वैज्ञानिक उपायों को भी अपनाना होगा। इस कार्य में आपसी साझेदारी की यह व्यवस्था महत्वपूर्ण साबित होगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आईआईटीटीएम के श्री बाबू लाल यादव ने बताया कि दो दिनों तक आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत चलने वाले इस जल सम्मेलन में जल संरक्षण की दिशा में काम कर रहे करीब 25 विशेषज्ञों के अनुभवों और शोध कार्य से रूबरू होने का अवसर प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से सम्मिलित सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा व डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत जल संरक्षण की आवश्यकता, महेंद्रगढ़ में जल संरक्षण की मौजूदा स्थिति के साथ-साथ इस दिशा में जारी व आवश्यक उपायों के साथ-साथ भविष्य की कार्य योजना तैयार की जाएगी।

मौलिक विज्ञान की पढ़ाई कर पाएं सुरक्षित भविष्य

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022.23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए जारी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्कूल ऑफ बेसिक के अंतर्गत रसायन विज्ञानए कम्प्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजीए भूगोलए गणितिए भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी सहित छह विभाग उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले की प्रक्रिया संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 18 जून, 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ व विख्यात शिक्षक उपलब्ध हैं।

तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए योग्यताए उपलब्ध सीटों व आवेदन हेतु आवेदक विश्वविद्यालय की अथवा पद से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं।

बेदखली सूचना

मैं होशियार सिंह पुत्र श्री थावर सिंह जाति गुर्जरिया निवासी मौसमपुर, तह. नांगल चौधरी, जिला महेन्द्रगढ़ हरि. से बयान करता हूं कि मेरा बेटा राहुल व पुत्र वधू पूजा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। वो मेरे से अभद्र व्यवहार करते हैं। उनकी हरकतों से तंग आकर मैं राहुल व पुत्र वधू पूजा को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। अब मेरा उनके साथ कोई संबंध नहीं। है। भविष्य में उनसे कोई भी घटना अथवा लेन-देन के वो खुद जिम्मेदार होंगे।

बयानकर्ता : होशियारसिंह

हकेंवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 18 तक करें ऑनलाइन आवेदन

स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में उपलब्ध हैं एमएससी पाठ्यक्रम

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए जारी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी सहित 6 विभाग उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले की प्रक्रिया संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 18 जून, 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध हैं तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सत्र 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के दाखिले हेतु संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी विभाग में एमएससी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए योग्यता, उपलब्ध सीटों व आवेदन हेतु आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in अथवा https://cuet.nta.nic .in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं।

मौलिक विज्ञान की पढ़ाई कर पाएं सुरक्षित भविष्यः प्रो. टंकेश्वर

■ स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस में उपलब्ध हैं एम.एससी. पाठ्यक्रम

महेंद्रगढ़, 9 जून (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए जारी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्कूल ऑफ बेसिक के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी सहित 6 विभाग उपलब्ध हैं, जिनमें दाखिले की प्रक्रिया सी.यू.ई.टी. 2022 के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 18 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ व विख्यात शिक्षक उपलब्ध हैं तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। थमौलिक विज्ञान की पढ़ाई कर सुरक्षित भविष्य पाएं।

सी.यू.ई.टी. के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सत्र 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के दाखिले हेतु संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी विभाग में एम.एससी. पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए योग्यता, उपलब्ध सीटों व आवेदन हेतु आवेदक विश्वविद्यालय की वैबसाइट से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिलें 18 तक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए जारी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्कूल आफ बेसिक के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस एंड टैक्नोलाजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी सहित छह विभाग उपलब्ध हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के माध्यम से जारी है। विद्यार्थी 18 जून तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बेसिक साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 में दाखिले के लिए विद्यार्थियों से मांगे हैं आनलाइन आवेदन

के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं। स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ व विख्यात शिक्षक उपलब्ध हैं तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। सीयूईटी के नोडल आफिसर डा. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सत्र 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के दाखिले के लिए संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल आफ बेसिक साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलाजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी विभाग में एमएससी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं।

मौलिक विज्ञान की पढ़ाई कर पाएं सुरक्षित भविष्य : प्रो. टंकेश्वर कुमार

बोले-स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस में उपलब्ध हैं एमएससी पाठ्यक्रम, 18 जून तक कर सकते हैं आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। स्कूल ऑफ बेसिक के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी सहित छह विभाग उपलब्ध हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इन विभागों में दाखिले की प्रक्रिया संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 18 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उक्त बातें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहीं हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं। स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ व विख्यात शिक्षक उपलब्ध हैं तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। सीयूईटी के नोडल अधिकारी डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सत्र 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के दाखिले के लिए संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भूगोल, गणित, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी और सांख्यिकी विभाग में एम.एससी. पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए योग्यता, उपलब्ध सीटों व आवेदन हेतु आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं।